DR. DESHMANE VIJAYALAXMI

Dr. Deshmane Vijayalaxmi is a famous oncology surgeon, who is known for her contribution in the Research activity of Breast Cancer. She is Chairperson of BOG (Board of Governors) of IIIT Kottayam, Kerala [2023] and the Chairperson of BOG of IIITDM Kurnool, Andra Pradesh (Additional Charge) 2024. She also Severed as Member of BOG of NIPER (National Institute of Pharmaceutical Education and Research) 2016.

2. Born on 10th April 1955 in a Slum at Kalaburagi a highly backward district in Karnataka State, Dr. Vijayalaxmi belongs to Scheduled caste [Madiga] Community. Her mother was Fruits and Vegetables seller and her father was Freedom Fighter from Kalaburagi. She received her MBBS from Karanataka medical college Hubli (1980). She was the First Lady MS student at government Medical College Bellary and completed her MS in General Surgery from Government Medical College Bellary [1985].She received Fellowship in Surgical Oncology from the Association of Surgeons of India [1993]. She received Oncology training at TATA Memorial Hospital Mumbai. She was honoured as the woman of the year by the American Biographical Institute [1999].

3. Dr. Vijayalaxmi has served for 3 decades in the Department of Surgical Oncology at Kidwai Memorial Institute of Oncology Bangalore. She joined there as a First lady Senior Resident and as as First lady Faculty in the Department of Surgical Oncology and retired from the service as Professor and Head of Department of Surgical Oncology in 2015. She also served as Director (In charge) of Kidwai Memorial Institute of Oncology, a premier Institute. She trained the senior Residents, MS students from different Medical Colleges, Mch [Surgical Oncology] students. She has conducted Global Breast Cancer Research projects as Principle Investigator at Kidwai Memorial Institute of Oncology, Bengaluru. She was appointed as Inspector of Medical Council of India. As the Principal Investigator, she conducted Global Breast Cancer project and the Report was published in the International Cancer Journal. She presented Cancer Research papers at various conferences and seminars in the country and abroad. She has addressed the convocations at Karnataka medical Collage, Bangalore medical College and SNDT University Mumbai.

4. Dr. Vijayalaxmi is a known Philanthropist. From the pension benefits she has built Shri Krishna Mandir at Banashankri Bangalore and she has planned to start the Goshala at Hubli. She has served as President of Karnataka Cancer Society. The Life story of Dr. Deshmane was published in the World Journal of Surgary. The Family Film of Dr. Deshmane 'Matangi Deevatige' was produced and screened in the International Film Festival at Bangalore 2022. 'Matangi Deevatige' was honoured as Best Feature Film and received Dadasaheb Phalke Achievers Award [2024].

5. Dr. Vijayalaxmi has received many awards. For her exceptional contribution in the Research activity of Breast Cancer, she received the Award in the Oncology Summit held at Thailand [2011]. She received Hon. Doctorate: Doctor of Science in recognition of her service in the field of Surgical Oncology from Karnataka Mahila University, Bijapur [2013]. The Government of Karnataka has bestowed upon her Rajyostava Award in recognition of her services in the field of Surgical Oncology (2004).

डॉ. देशमाने विजयलक्ष्मी

डॉ. देशमाने विजयलक्ष्मी एक प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजी सर्जन हैं, जिनको स्तन कैंसर के शोध कार्य में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। वह IIIT कोट्टायम, केरल (2023) के BOG (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) की अध्यक्ष हैं और 2024 में उन्हें IIITDM कुरनूल, आंध्र प्रदेश के BOG की अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। उन्होंने NIPER (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च) 2016 के BOG के सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

2. 10 अप्रैल, 1955 को कर्नाटक राज्य के एक अत्यंत पिछड़े जिले कलबुर्गी की एक झुग्गी बस्ती में जन्मी डॉ. विजयलक्ष्मी अनुसूचित जाति (मडिगा) समुदाय से हैं। उनकी माँ फल और सब्ज़ियाँ बेचती थीं और उनके पिता कलबुर्गी के स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने कर्नाटक मेडिकल कॉलेज हुबली (1980) से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की। वह सरकारी मेडिकल कॉलेज बेल्लारी में पहली महिला एमएस छात्रा थीं और उन्होंने सरकारी मेडिकल कॉलेज बेल्लारी (1985) से जनरल सर्जरी में एमएस पूरा किया। उन्हें एसोसिएशन ऑफ़ सर्जन्स ऑफ़ इंडिया (1993) से सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में फ़ेलोशिप मिली। उन्होंने टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई में ऑन्कोलॉजी का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्हें अमेरिकन बायोग्राफ़िकल इंस्टीट्यूट (1999) द्वारा वर्ष की महिला के रूप में सम्मानित किया गया था।

3. डॉ. विजयलक्ष्मी ने किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी बैंगलोर के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में 3 दशकों तक काम किया है। वह वहां फर्स्ट लेडी सीनियर रेजिडेंट और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में फर्स्ट लेडी फैकल्टी के रूप में शामिल हुईं और वर्ष 2015 में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख के रूप में सेवा से सेवानिवृत्त हुईं। उन्होंने एक प्रमुख संस्थान किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी के निदेशक (प्रभारी) के रूप में भी काम किया। डॉ. देशमाने ने वरिष्ठ रेजिडेंट, विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के एमएस छात्रों, एमसीएच (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) छात्रों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी, बेंगलुरु में मुख्य अन्वेषक के रूप में वैश्विक स्तन कैंसर अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की हैं। डॉ. देशमाने को मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया का निरीक्षक नियुक्त किया गया था। प्रमुख अन्वेषक के रूप में, उन्होंने वैश्विक स्तन कैंसर परियोजना का संचालन किया और अंतर्राष्ट्रीय कैंसर पत्रिका में यह रिपोर्ट प्रकाशित की गई। उन्होंने देश और विदेश में विभिन्न सम्मेलनों और संगोष्ठियों में कैंसर शोध–पत्र प्रस्तुत किए। उन्होंने कर्नाटक मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर मेडिकल कॉलेज और एसएनडीटी विश्वविद्यालय मुंबई में दीक्षांत समारोह को संबोधित किया है।

4. डॉ. विजयलक्ष्मी एक प्रसिद्ध परोपकारी व्यक्तित्व हैं। पेंशन लाभ से उन्होंने बनशंकरी बैंगलोर में श्री कृष्ण मंदिर बनवाया है और उन्होंने हुबली में गोशाला शुरू करने की योजना बनाई है। वह कर्नाटक कैंसर सोसाइटी की अध्यक्ष रह चुकी हैं। डॉ. देशमाने की जीवन गाथा वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जरी में प्रकाशित हुई है। डॉ. देशमाने की पारिवारिक फिल्म 'मातंगी देवीतिगे' का निर्माण किया गया और इसे बैंगलोर में वर्ष 2022 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया गया। 'मातंगी देवीतिगे' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला और इसे दादा साहब फाल्के अचीवर्स अवार्ड (2024) मिला।

5. डॉ. विजयलक्ष्मी को कई पुरस्कार मिले हैं। स्तन कैंसर के शोध कार्य में उनके असाधारण योगदान के लिए, उन्हें थाईलैंड में आयोजित ऑन्कोलॉजी शिखर सम्मेलन (2011) में पुरस्कार मिला। उन्हें कर्नाटक महिला विश्वविद्यालय बीजापुर से सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के सम्मान में डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि (2013) मिली। कर्नाटक सरकार ने सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के सम्मान में उन्हें राज्योत्सव पुरस्कार (2004) से सम्मानित किया है।